

तीन हिमालयी औषधीय पौधे IUCN रेड लिस्ट में शामिल

चर्चा में क्यों?

हिमालय में पाए जाने वाली तीन औषधीय पादप प्रजातियों (*Meizotropis pellita*, *Meizotropis longicaulis*, *Meizotropis longicaulis*) को हाल ही में हुए मूल्यांकन के बाद [संकटग्रस्त प्रजातियों की IUCN रेड लिस्ट](#) में शामिल किया गया है।

- हिमालयी क्षेत्र में किया गया आकलन दर्शाता है कि [वनोनमूलन](#), नविस स्थान का नुकसान, [वनाग्नि](#), अवैध व्यापार और [जलवायु परिवर्तन](#) कई प्रजातियों के लिये एक गंभीर खतरा है। नवीनतम आँकड़ों से इस क्षेत्र में संरक्षण संबंधी प्रयास किये जाने की उम्मीद है।

इन प्रजातियों की मुख्य विशेषताएँ?

- मेइज़ोट्रोपिस पेलटि (*Meizotropis pellita*):



- परिचय:**
 - इसे आमतौर पर पटवा के रूप में जाना जाता है, यह वर्ष भर पाई जाने वाली झाड़ी (shrub) है जो विशेष रूप से उत्तराखंड के लिये स्थानिक है।
- IUCN में सूचीबद्ध:**
 - अध्ययन में कहा गया है कि इन प्रजातियों को उनके सीमित क्षेत्र (10 वर्ग कमी से कम) के आधार पर गंभीर रूप से 'लुप्तप्राय' के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
 - वनोनमूलन, नविस स्थान का नुकसान, वनाग्नि के कारण ये प्रजातियाँ खतरे में हैं।
- महत्त्व:**
 - प्रजातियों की पत्तियों से निकाले गए आवश्यक तेल में मज़बूत एंटीऑक्सिडेंट होते हैं और यह दवा उद्योगों में सथिटिक एंटीऑक्सिडेंट के लिये एक आशाजनक प्राकृतिक विकल्प हो सकता है।
- फ़रटिलिरिया सरिंसा:**



- **परिचय:**
 - इसे आमतौर पर **हिमालयन फ्रटिलिरी** के रूप में जाना जाता है यह एक बारहमासी बल्बनुमा जड़ी बूटी है ।
- **IUCN में सूचीबद्ध:**
 - गरिवट की दर, बहुत पुरानी पीढ़ी, कम अंकुरण क्षमता, उच्च व्यापार मूल्य, व्यापक कटाई दबाव और अवैध व्यापार को ध्यान में रखते हुए प्रजातियों को 'सुभेद्य' के रूप में सूचीबद्ध किया गया है ।
- **महत्त्व:**
 - चीन में प्रजातियों का उपयोग ब्रोन्कयिल विकारों और नमोनिया के इलाज़ के लिये किया जाता है । यह पौधा एक मज़बूत कफ नसिसारक और पारंपरिकि चीनी चिकित्सा में दवाओं का स्रोत भी है ।
- **डैक्टाइलोरजि हटागरिया (*Dactylorhiza hatagirea*):**



- **परिचय:**
 - यह आमतौर पर सलामपांजा के रूप में जाना जाता है, यह हड्डिकुश और अफगानस्तान, भूटान, चीन, भारत, नेपाल और पाकस्तान के हिमालयी कषेत्रों के लिये एक बारहमासी कंद प्रजाति है ।
- **IUCN में सूचीबद्ध:**
 - यह नवासि स्थान की कषति, पशुधन चराई, वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन के कारण खतरे में है तथा इन प्रजातियों को 'लुप्तप्राय' के रूप में सूचीबद्ध किया गया है ।
- **महत्त्व:**
 - पेशिशि, जठरशोध, जीर्ण ज्वर, खाँसी और पेट दर्द को ठीक करने के लिये आयुर्वेद, सद्धि, यूनानी और चिकित्सा की अन्य वैकल्पिक प्रणालियों में इसका बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है ।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न:

प्रश्न. प्रकृत और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिये अंतरराष्ट्रीय संघ (IUCN) और वन्यजीवों एवं वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर अभिसमय (CITES) के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2015)

1. IUCN संयुक्त राष्ट्र का एक अंग है और CITES सरकारों के बीच एक अंतरराष्ट्रीय अभिसमय है।
2. प्राकृतिक वातावरण को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने के लिये IUCN दुनिया भर में हजारों फील्ड प्रोजेक्ट चलाता है।
3. CITES उन राज्यों के लिये कानूनी रूप से बाध्यकारी है जो इसमें शामिल हुए हैं, लेकिन यह अभिसमय राष्ट्रीय कानूनों की जगह नहीं लेता है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

[स्रोत: द हद्दि](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/three-himalayan-medicinal-plants-enter-iucn-red-list>

